कृषक श्रृंखला
ग्रामीण भारत की धड़कन
मासिक
खेत खलिहान से बाजार तक

कीर्तीमान की 1444 महागोमती कृषकों में लोकप्रिय

लखनऊ । कीर्तीमान एग्रो जेनेटिक्स लि. औरंगाबाद में अनुसंधान ने उत्तर प्रदेश, बिहार, झारखंड में मोटे धान लगाने वाले किसानों को किस्म महागोमती 1444 विकसित की गई जो एक मिल का पत्थर साबित हो रही है। लखनऊ के कुमसवा गांव के कृषक मूठाचिन्दर सिंह के खेत पर 70 एकड़ में महागोमती 1444 लगा हुआ है। कंपनी द्वारा आयोजित प्रक्षेत्र प्रदर्शन कार्यक्रम में कंपनी के सीईओ श्री जशवन्त सिंह, डीजीएम श्री अनिल उपाध्याय, आरएम श्री वेदप्रकाश राय तथा कंपनी के स्थानीय विक्रेता श्री बी.पी.एस.मलिक ने भाग लिया। कंपनी के रिजनल मैनेजर ने बताया कि महागोमती के 1444 कंपनी की नई अविष्कार की गई किस्म है, जो 120-125 दिन में पककर तैयार होती है। मोटे चावल की वजह से 1000 दानों की संख्या 28-30 ग्राम होती है जिसकी वजह से अन्य किस्मों की तुलना में महागोमती 1444 की पैदावार 20 से 25 प्रतिशत बढ़ी हुई कृषकों को प्राप्त होती है।

कंपनी की अन्य प्रजाति दामिनी 125-130 दिन, सुषमा 130-135 दिन एवं संशोधित सुगंधित हिना 115 दिन, शीतल 130-135 दिन, नयाब 130 दिन, तथा मोटी किस्त प्रियंका द्वारा अच्छी उपज प्राप्त की जा सकती है। कंपनी की मक्का की प्रचलित किसम सौरभ उत्तर भारत में एक नई पहचान बनाने में कामयाब हुई है। कंपनी के सी.ई.ओ. श्री जयवंत सिंह ने बताया कि कंपनी पूर्णरूपेण अनुसंधान आधारित किस्में राष्ट्रपति पुरस्कार विजेता डॉ. एफ.यू. झमान एवं डॉ. पाटिल के मार्गदर्शन में विकसित किया जिसकी वजह से कंपनी को अल्प अवधि में ही ख्यातिप्राप्त कंपनी का दर्जा हासिल कर लिया है।